



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16-10-23	6	1-5

विश्व खाद्य दिवस • एचएयू वैज्ञानिक बोले-मिलेट्स न्यूट्रिशन से भरपूर पोषक तत्वों का है पावर हाउस मोटे अनाज का नियमित सेवन कैंसर, डायबिटीज, अस्थमा जैसे घातक रोगों से बचाता है, फैट व बीपी भी रहता है कंट्रोल

श्यामलसिंह | हिसार

आयुर्वेद और विज्ञान के अनुसार मिलेट्स (मोटे अनाज) का नियमित सेवन स्वास्थ्य के लिए उत्तम आहार है। मिलेट्स का सेवन कैंसर, डायबिटीज और अस्थमा आदि गंभीर रोगों में भी लाभकारी है। यह मोटापा घटाने, झुर्रियां कम करने, बालों की रुसी को कम करने में भी सहायक होते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया है। मिलेट्स यानि श्री अन्न जिसमें

ज्वार, बाजरा, रागी, कंगनी, चना, मक्का आदि आते हैं।

विश्व खाद्य दिवस पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक पवन कुमार, सुरेंद्र मित्तल और पंकज देहिया ने बताया कि मोटा अनाज खाने से शरीर के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व हमारे शरीर में नेचुरल तरीके से पहुंचते हैं। इसके लिए हमें विटामिन्स या मिनरल्स दवा के रूप में लेने की जरूरत नहीं रहती। मिलेट्स के सेवन से रोगप्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है, इसके नियमित

सेवन से इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। बाजरा बालों से संबंधित रुसी, छाल रोग व सिर की सूजन को दूर करने में भी सहायक है। बाजरा में अधिक मात्रा में फाइबर व ट्रिप्टोफैन के कारण धीमी गति से पचता है, जिसके कारण पेट लंबे समय तक भरा महसूस करता है और हम ज्यादा खाने से बचते हैं और मोटापे से दूर रहते हैं। मिलेट्स में मैग्नीशियम व पोटेशियम तत्व पाए जाते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ने से रोकते हैं व ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित करते हैं।

■ भावी पीढ़ियों को बेहतर स्वास्थ्य तथा प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने के लिए फसल चक्रों में बदलाव करके नए फसल विविधकरण के लिए हमारी परंपरागत प्राचीन मोटे व छोटे अनाज वाली फसलों जैसे ज्वार, बाजरा, रागी, कंगनी, कुटकी आदि को अपनाया होगा। यह फसलें कीटाणुरोधी होने के साथ पोषक तत्वों से भरपूर हैं।

- प्रो. बीआर काम्बोज, कुलपति, हकूवि।

शरीर को प्रदूषित करने वाली कोशिकाएं नहीं पनप पाती

मिलेट में प्रचुर मात्रा में प्लांट लिगनेन पाया जाता है। प्लांट लिगनेस हमारे शरीर में पहुंचने के बाद स्टेरॉयड जैसी संरचना का निर्माण करते हैं, जिसे फाइटोएस्ट्रोजेन कहते हैं। जिसके कारण शरीर में प्रदूषित करने वाली कोशिकाएं नहीं पनप पाती हैं, घुलनशील लिगनेन ब्लड में घुलकर वहां के प्रदूषण को साफ करते हैं। जिससे कैंसर से छुटकारा मिलता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	14-10-23	2	6

एचएयू में आलू अनुसंधान परियोजना की बैठक 16 से 18 तक

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 41वीं अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक 16 से 18 अक्टूबर तक होगी। बैठक विवि के सब्जी विज्ञान विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला की ओर संयुक्त रूप से आयोजित की जाएगी। इस बैठक में देश के 25 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद परियोजना केंद्रों से वैज्ञानिक भाग लेंगे।

सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं बैठक के आयोजन सचिव डॉ. एसके तेहलान ने बताया कि इस बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप-महानिदेशक (बागवानी) डॉ. टीआर शर्मा, सहायक महानिदेशक (फूल-सब्जी-मसाले और औषधीय पौधे) डॉ. सुधाकर पांडे, केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक डॉ. बृजेश सिंह, आलू अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के निदेशक डॉ. पीएम नायक व पूर्व निदेशक डॉ. बीपी सिंह सहित अन्य वैज्ञानिक भी शामिल होंगे।

बैठक के दौरान वैज्ञानिकों द्वारा बीते वर्षों में किए गए अनुसंधान कार्यों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही आगामी किए जाने वाले कार्यों के बारे में बताया। ब्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अखिल समाचार	14-10-23	5	6-8

हकूवि में 16 से 18 तक होगी अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना की बैठक

हिसार, 13 अक्टूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 41वीं अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक 16 से 18 अक्टूबर तक आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही इस बैठक में देश के 25 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद परियोजना केंद्रों से वैज्ञानिक भाग लेंगे। सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं बैठक के आयोजन सचिव डॉ. एस.के.तेहलान ने बताया कि इस बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप-महानिदेशक (बागवानी) डॉ. टी.आर. शर्मा, सहायक महानिदेशक (फूल-सब्जी-मसाले और औषधीय पौधे) डॉ. सुधाकर पांडे, केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक डॉ. बृजेश सिंह, आलू अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के निदेशक डॉ. पी.एस. नायक व पूर्व निदेशक डॉ. बी.पी. सिंह सहित अन्य वैज्ञानिक भी शामिल होंगे। बैठक के दौरान वैज्ञानिकों द्वारा बीते वर्षों में किए गए अनुसंधान कार्यों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही आगामी वर्ष में किए जाने वाले कार्यों की योजना भी तैयार की जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पजाब केसरी	14-10-23	4	7-8

अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना की बैठक 16 से

हिसार, 13 अक्टूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 41 वीं अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक 16 से 18 अक्टूबर तक आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्- केंद्रीय आलू अनुसंधान

संस्थान, शिमला द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही इस बैठक में देश के 25 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् परियोजना केंद्रों से वैज्ञानिक भाग लेंगे।

बैठक के दौरान वैज्ञानिकों द्वारा बीते वर्षों में किए गए अनुसंधान कार्यों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही आगामी वर्ष में किए जाने वाले कार्यों की योजना भी तैयार की जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	14-10-23	2	1

आलू अनुसंधान परियोजना
की वार्षिक 16 से शुरू
जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में
अखिल भारतीय समन्वित आलू
अनुसंधान परियोजना की वार्षिक
बैठक 16 से 18 अक्टूबर तक होगी।
विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग
और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद,
केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान
शिमला द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित
की जा रही। देश के 25 भारतीय कृषि
अनुसंधान परिषद परियोजना केंद्रों से
वैज्ञानिक भाग लेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	13.10.2023	--	--

हकृवि में अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना की बैठक 16 से

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 41वीं अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक 16 से 18 अक्टूबर तक आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्- केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही इस बैठक में देश के 25 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् परियोजना केंद्रों से वैज्ञानिक भाग लेंगे। सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं बैठक के आयोजन सचिव डॉ. एस.के. तेहलान ने बताया कि इस बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के उप-महानिदेशक (बागवानी) डॉ. टी.आर. शर्मा, सहायक महानिदेशक (फूल-सब्जी-मसाले और औषधीय पौधे) डॉ. सुधाकर पांडे, केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक डॉ. बृजेश सिंह, आलू अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के निदेशक डॉ. पी.एस. नायक व पूर्व निदेशक डॉ. बी.पी. सिंह सहित अन्य वैज्ञानिक भी शामिल होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	13.10.2023	--	--

हकृवि में 16 से 18 अक्तूबर तक होगी अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना की बैठक, देश के 25 केन्द्रों से वैज्ञानिक लेंगे भाग

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार, 13 अक्तूबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 41वीं अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक 16 से 18 अक्तूबर तक आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्- केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही इस बैठक में देश के 25 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् परियोजना केंद्रों से वैज्ञानिक भाग लेंगे। सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं बैठक के आयोजन सचिव डॉ. एस.के.तेहलान ने बताया कि इस बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के उप-महानिदेशक (बागवानी) डॉ. टी.आर. शर्मा, सहायक महानिदेशक (फूल-सब्जी-मसाले और

औषधीय पौधे) डॉ. सुधाकर पांडे, केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक डॉ. बृजेश सिंह, आलू अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के निदेशक डॉ. पी.एस. नायक व पूर्व निदेशक डॉ. बी.पी. सिंह सहित अन्य वैज्ञानिक भी शामिल होंगे। बैठक के दौरान वैज्ञानिकों द्वारा बीते वर्षों में किए गए अनुसंधान कार्यों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही आगामी वर्ष में किए जाने वाले कार्यों की योजना भी तैयार की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बैठक में आयोजित होने वाले विभिन्न सत्रों में वैज्ञानिक आलू की किस्मों में सुधार, उनकी उत्पादन तकनीक, पैदावार व कीड़े व बीमारियों से सुरक्षा के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे। बैठक के अंतिम सत्र में वैज्ञानिकों द्वारा शोध की गई नई किस्मों, पैदावार बढ़ाने व सुरक्षा के नए तरीकों को प्रस्तुत किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि किरण न्यूज	13.10.2023	--	--



Hari Kiran News

13 October at 13:16

अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना की बैठक 16 से एचएयू में
देश के 25 केंद्रों से वैज्ञानिक तैंगे भाग

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 41वीं अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक 16 से 18 अक्टूबर तक होगी। विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला की ओर संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही इस बैठक में देश के 25 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् परियोजना केंद्रों से वैज्ञानिक भाग लेंगे।

सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं बैठक के आयोजन सचिव डॉ. इसके तद्द्वारा ने बताया कि इस बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के उप-महानिदेशक (बागवानी) डॉ. टी.आर. शर्मा, सहायक महानिदेशक (फल-सब्जी-मसाले और औषधीय पौधे) डॉ. सुधाकर पांडे, केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक डॉ. वृजेश सिंह, आलू अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के निदेशक डॉ. पी.एस. नायक व पूर्व निदेशक डॉ. बीपी सिंह सहित अन्य वैज्ञानिक भी शामिल होंगे। बैठक के दौरान वैज्ञानिकों द्वारा बीते वर्ष में किए गए अनुसंधान कार्यों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही आगामी वर्ष में किए जाने वाले कार्यों की योजना भी तैयार की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बैठक में आयोजित होने वाले विभिन्न सत्रों में वैज्ञानिक आलू की किस्मों में सुधार, उनकी उत्पादन तकनीक, पैदावार व कीड़े व बीमारियों से सुरक्षा के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे। बैठक के अंतिम सत्र में वैज्ञानिकों द्वारा शोध की गई नई किस्मों, पैदावार बढ़ाने व सुरक्षा के नए तरीकों को प्रस्तुत किया जाएगा।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	14-10-23	2	1-4

इस माह के आखिरी सप्ताह तक कर लें काबुली चने की बिजाई

हरियाणा चना नंबर 5 किस्म की बिजाई प्रदेश के सारे क्षेत्रों में संभव

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। दाल और उससे संबंधी उत्पादों की बढ़ती मांग के मद्देनजर किसान अपने खेत में काबुली चना लगाकर अच्छी कमाई कर सकते हैं। काबुली चने की बिजाई इस महीने के आखिरी सप्ताह में करना लाभदायक होगा। जहां सिंचाई का साधन हो या वर्षा अच्छी होती हो वहां हरियाणा चना नंबर-1 और हरियाणा काबुली नं. 1 किस्म बो सकते हैं।

नमी वाले क्षेत्रों में सी 235 व हरियाणा चना नं. 3 किस्मों की बिजाई करें। हरियाणा चना नंबर 5 की बिजाई प्रदेश के सारे क्षेत्रों में की जा सकती है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने चने की बिजाई को लेकर किसानों के लिए यह सलाह जारी की है। एचएयू के वैज्ञानिकों के मुताबिक चने की अग्रेसरी बिजाई कभी न करें, क्योंकि समय से पहले बिजाई करने पर उखेड़ा रोग लगने की आशंका रहती है।

हरियाणा चना नं. 3 का 30-32 कि.ग्रा. व अन्य देसी किस्मों का 15-18 कि.ग्रा. और काबुली चने का लगभग 36 कि.ग्रा. व हरियाणा चना नं. 1 का 20 से 22 कि.ग्रा. बीज प्रति एकड़ काफी है। बिजाई से पूर्व प्रति किलोग्राम बीज में 2.5 ग्राम बाविस्टिन मिलाकर बोएं। शूलसा रोग से बचाव के लिए सी 235 या हरियाणा चना नं. 3 किस्म ही बोएं। जिस खेत में अंगमारी का आक्रमण रहा हो वहां चने की फसल न लें।



काबुली चने की फसल। फाइल फोटो

बिजाई से पहले बीज का कीटनाशक व फफूंदनाशक टीके से उपचार करें। दीमक से बचाने के लिए 850 मि.ली. मोनोक्रोटोफास 36 एस.एल. या 1500 मि.ली. क्लोरपाइरीफॉस 20 ई.सी. को पानी में मिलाकर कुल 2 लीटर घोल बनाएं। ऐसे 2 लीटर घोल से 1 विन्टल बीज को बोने के एक दिन पूर्व पक्के फर्श या पॉलिथीन की शीट पर



ऐसे करें बीज उपचार

फैलाकर उपचारित करें। इसके बाद फफूंदनाशक बाविस्टिन (2.5 ग्राम) या जैविक फफूंदनाशक ट्राईकोडरमा विरिडी (बायोडरमा) 4 ग्राम + चीटावैक्स 1 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से करें। बीज उपचार के लिए 4 ग्राम बायोडरमा और 1 ग्राम चीटावैक्स को 5 मिलीलीटर पानी में लेप बनाकर प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करें।

विधि से बिजाई करने पर रोग लगने का खतरा नहीं

- चने की बिजाई 'पोरा' विधि से 2 खुड़ों का फासला 30 सेंटीमीटर रखकर इस प्रकार करें कि बीज 10 सेंटीमीटर गहरा पड़े। इससे कम गहराई पर पड़ने पर उखेड़ा रोग लगने का खतरा रहता है। जहां खेत में नमी कम हो तो 2 खुड़ों का फासला 45 सेंटीमीटर रख कर बिजाई के समय 12 किग्रा यूरिया व 100 किग्रा सुपर फास्फेट प्रति एकड़ डिल करें। यदि डीएपी मिल जाए तो 34 किग्रा डीएपी ही प्रति एकड़ बिजाई के समय बीज के नीचे डिल करें। चने के बीज को राइजोबियम का टीका अवश्य लगाएं और बहुत रेतीली जमीन में 10 किग्रा जिंक सल्फेट प्रति एकड़ के हिसाब से डालें।

